आपका पक्ष

चीनी मिलों पर 180 अरब रुपये बकाया

सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। किसानों को प्रशिक्षण आदि देकर कृषि के अलावा अन्य कार्यों पर भी जोर दिया जा रहा है। लेकिन तमाम कवायदों के बाद भी किसानों की स्थिति अबतक बेहतर नहीं हो सकी है। कभी कम फसल से तो कभी अत्यधिक उपज के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। देश के गन्ना किसानों की स्थिति चिंताजनक है। एक आंकड़े के अनुसार गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर करीब 180 अरब रुपये बकाया है। किसानों को अपनी उपज बेचने के बाद भी दाम नहीं मिल पाया है। जाहिर है गन्ना किसानों का 180 अरब रुपये बकाया होने के कारण उसकी वर्तमान स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। हर वर्ष चीनी मिल किसानों से खरीदे गए गन्ने का पूरा दाम नहीं दे पाती है। सरकार हर वर्ष गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करती है। अत: यह कह

सकते हैं कि न्यूनतम मूल्य निर्धारित होने के बाद भी चीनी मिल किसानों को गन्ने का पूरा दाम देने में असमर्थ साबित होती है। देश के गन्ना उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों की स्थिति का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। दूसरे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र के गन्ना किसानों की भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही होती है।

गन्ना किसान गुड़ बनाने वाली स्थानीय इकाइयों को कम दाम पर गन्ना बेचने को मजबूर हैं

बहरहाल सरकार गन्ना किसानों के हित में कई कदम उठा रही है लेकिन चीनी मिलों की भी उपेक्षा नहीं कर सकती है। गन्ना से चीनी-गुड़ तथा एथेनॉल तैयार किया जाता है। सरकार अब चीनी पर 5 प्रतिशत उपकर लगाने पर विचार कर रही है। वहीं एथेनॉल पर 18 प्रतिशत जीएसटी के बजाय 5 प्रतिशत करने की कवायद की जा रही है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ने की कीमत 315 रुपये से 325 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की है लेकिन गुड़ बनाने वाली स्थानीय इकाई 150 से 200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीद रही है। इससे गन्ना किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। अत: सरकार को सर्वप्रथम गन्ना किसानों का बकाया चुकाने तथा अगली फसल का उचित दाम दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। इससे गन्ना किसानों की माली हालत सुधरने में बड़ी मदद मिलेगी तथा सरकार का किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

मोहित कुमार, नई दिल्ली

पाठक अपनी राय हमें इस पते पर भेज सकते हैं : संपादक, बिजनेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली - 110002. आप हमें ईमेल भी कर सकते हैं : lettershindi@bsmail.in उस जगह का उल्लेख अवश्य करें, जहां से आप ईमेल कर रहे हैं।

Business Standard

25/4/18